vinetur

जर्मनी की स्पिरिट्स कर योजना कुछ डिस्टिलरों को कारोबार बंद करने पर मजबूर कर सकती है : उत्पादक

प्रस्ताव में बीयर, वाइन और स्पार्कलिंग वाइन को छूट मिलेगी ; स्पिरिट्स निर्माताओं को बढ़ी लागत उठानी होगी या कीमतें बढ़ानी होंगी

सोमवार, 23 नवंबर 2026



जर्मनी में स्पिरिट्स पर शराब कर बढ़ाने की प्रस्तावित योजना पर Rietberg शहर की लंबे समय से काम कर रही डिस्टिलरी Paehler-Rietberg ने कड़ी चेतावनी दी है। कंपनी का कहना है कि इस कदम से कीमतें बढ़ सकती हैं और उत्पादकों पर गंभीर दबाव पड़ सकता है।

Die Glocke के अनुसार, प्रस्ताव के तहत स्पिरिट्स पर कर का बोझ बढ़ेगा, जबकि बीयर, वाइन और स्पार्कलिंग वाइन इस बदलाव के दायरे से बाहर रहेंगे। Paehler-Rietberg ने कहा कि इससे शराब बाजार में असमान व्यवहार होगा : एक क्षेत्र पर अधिक कर का बोझ पड़ेगा, जबकि अन्य श्रेणियों में कोई बदलाव नहीं होगा।

कंपनी के प्रबंध निदेशक Hendrik Dirkwinkel ने 22 नवंबर को प्रकाशित Die Glocke से बातचीत में कहा कि Paehler-

Rietberg इस बदलाव से उबरने की कोशिश करेगी, लेकिन क्षेत्र की कुछ कंपनियां शायद इसे झेल न पाएं। उनकी टिप्पणी में चिंता सिर्फ उनकी अपनी कंपनी पर सीधे पड़ने वाले असर को लेकर नहीं, बल्कि इस बात को लेकर भी थी कि चुनिंदा श्रेणी पर कर बढ़ाने से जर्मनी के छोटे और मध्यम आकार के स्पिरिट्स निर्माताओं पर क्या प्रभाव पड़ सकता है।

उपलब्ध रिपोर्ट में नए कर की दर या बढ़ोतरी लागू होने की तारीख नहीं बताई गई, लेकिन कंपनी ने कहा कि उसे इस कदम के बड़े परिणामों की आशंका है। अखबार के मुताबिक कीमतें बढ़ने की संभावना है, जिससे संकेत मिलता है कि बढ़े हुए कर का कम से कम कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं पर डाला जा सकता है।

इसका असर किसी एक उत्पादक से कहीं आगे तक हो सकता है। अगर कर नीति के कारण सिर्फ स्पिरिट्स महंगे होते हैं, तो पेय कंपनियों के मुनाफे के मार्जिन, खुदरा कीमतों और उत्पादों की श्रेणी पर नया दबाव पड़ सकता है। चुनिंदा कर वृद्धि से पेय श्रेणियों के बीच प्रतिस्पर्धा भी बदल सकती है, क्योंकि दुकानों, बार और रेस्तरां में डिस्टिल्ड उत्पाद बीयर, वाइन या स्पार्कलिंग वाइन के मुकाबले महंगे हो जाएंगे।

व्यापक पेय उद्योग के लिए, करों में इस तरह का अंतर सिर्फ अंतिम कीमतों को ही प्रभावित नहीं करता। यह उपभोक्ताओं के खरीदारी संबंधी फैसलों, खुदरा विक्रेताओं की प्रचार रणनीतियों और निर्माताओं की निवेश योजनाओं को भी प्रभावित कर सकता है। स्पिरिट्स उत्पादकों को तय करना पड़ सकता है कि वे अतिरिक्त लागत का कुछ हिस्सा खुद उठाएं, दूसरी जगह खर्च घटाएं या कीमतें बढ़ाएं—ऐसे समय में जब कई उपभोक्ता वस्तु बाजारों में मांग अब भी महंगाई के प्रति संवेदनशील है।

Paehler-Rietberg 105 वर्षों से कारोबार कर रही है और ब्रांडेड स्पिरिट्स की निर्माता के रूप में जानी जाती है। इसका मुख्यालय North Rhine-Westphalia के Rietberg में है। Die Glocke ने प्रस्तावित कर वृद्धि को कंपनी के लिए बड़ी चुनौती बताया। रिपोर्ट के साथ प्रकाशित तस्वीर में Hendrik Dirkwinkel और उनके पिता Heinrich Dirkwinkel को कारोबार की प्रमुख हस्तियों के रूप में पहचाना गया।

कंपनी की मुख्य आपत्ति यह है कि प्रस्ताव सभी मादक पेयों पर लागू नहीं होता। बीयर, वाइन और स्पार्कलिंग वाइन को बाहर रखने से कर वृद्धि का बोझ बाजार के एक ही हिस्से पर केंद्रित हो जाएगा। स्पिरिट्स उत्पादकों के लिए इससे प्रतिस्पर्धा में नुकसान की आशंका पैदा होती है—ऐसा नुकसान जो मांग या उत्पादन लागत में बदलाव से नहीं, बल्कि नीति की रूपरेखा से पैदा होगा।

Die Glocke की रिपोर्ट में प्रस्ताव के पीछे मौजूद संघीय अधिकारियों या सांसदों की कोई टिप्पणी शामिल नहीं थी। इसमें यह भी नहीं बताया गया कि उद्योग संघों ने कोई औपचारिक रुख अपनाया है या योजना में अब भी बदलाव की गुंजाइश है। फिर भी, Paehler-Rietberg की प्रतिक्रिया दिखाती है कि कर पर बहस जर्मन डिस्टिलरों के लिए कितनी जल्दी कारोबारी मुद्दा बन गई है—खासकर उन कंपनियों के लिए जो स्थिर कीमतों और भीड़भाड़ वाले पेय बाजार में लंबे समय से स्थापित ब्रांड पहचान पर निर्भर हैं।

स्पिरिट्स क्षेत्र के उत्पादकों के लिए बहस का केंद्र यह रहने की संभावना है कि क्या सरकार सिर्फ डिस्टिल्ड उत्पादों पर अधिक कर का बोझ डालने को उचित ठहरा सकती है, और क्या इस नीति से कुल खपत घटने के बजाय बिक्री दूसरे मादक पेयों की ओर मुड़ने का जोखिम है। Rietberg में Paehler-Rietberg ने स्पष्ट कर दिया है कि वह प्रस्तावित वृद्धि को उद्योग के कुछ हिस्सों के लिए सीधा खतरा और एक सदी से अधिक समय से कारोबार कर रही कंपनी के लिए परीक्षा मानती है।